

प्याज़ नरियात प्रतबिंध और उससे जुडी चुनौतियाँ

प्रलिमिस:

प्याज़, [भारत की नरियात नीति](#), [बागवानी](#), कृषि से संबंधित नकियाय

मेन्स:

[भारत की नरियात नीति](#), [भारत-UAE संबंध](#), [कृषि सुधार](#), [आप्रत शिखला प्रबंधन](#)

[स्रोत: द हद्वि](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत सरकार ने घरेलू अधशेष को कम करने के उद्देश्य से चल रहे [नरियात प्रतबिंध](#) के बावजूद [संयुक्त अरब अमीरात को प्याज़ नरियात](#) की अनुमति दी।

- हालाँकि आलोचकों का आरोप है कि संयुक्त अरब अमीरात के बाज़ार में बिक्री मूल्य वैश्विक कीमतों की तुलना में काफी कम है, जिससे उनके मुनाफे में कमी आई है और अनुचित प्रथाओं के बारे में चर्चा बढ़ गई है।

प्याज़ के नरियात से जुड़ा मौजूदा मुद्दा:

- पृष्ठभूमि:** दिसंबर, 2023 में भारत सरकार ने घरेलू उत्पादन में कमी को नरियंत्रित करने के लिये [प्याज़ के नरियात पर प्रतबिंध](#) लगा दिया, लेकिन [राजनयिक अनुसंधान](#) पर संयुक्त अरब अमीरात जैसे विशिष्ट देशों को नरियात की अनुमति दी।
 - हालाँकि संयुक्त अरब अमीरात में प्याज़ के शपिमेंट के परिणामस्वरूप **कीमतों में काफी अंतर** हो गया है, भारतीय किसानों को संयुक्त अरब अमीरात के बाज़ारों में प्याज़ की कम कीमतें मिल रही हैं।
 - उदाहरण के लिये, हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात जैसे **प्रमुख बाज़ारों** में प्याज़ की कीमतें **1500 डॉलर प्रति टन** तक बढ़ गईं, जबकि संयुक्त अरब अमीरात में भारत के हालिया शपिमेंट **लगभग 500 से 550 डॉलर प्रति टन** पर भेजे गए थे।
- नरियातकों द्वारा जताई गई चर्चाएँ:**
 - पारदर्शिता का अभाव:** नरियात कीमतों को **नरिधारित** करने और नरियातकों तथा आयातकों का **चयन** करने की प्रक्रिया में **पारदर्शिता** का अभाव है, जिससे किसानों एवं नरियातकों के बीच चर्चाएँ उत्पन्न होती हैं।
 - नरियातकों का आरोप है कि संयुक्त अरब अमीरात में **कुछ आयातकों** ने **भारतीय किसानों की कीमत पर अप्रत्याशित लाभ** कमाया है।
 - नरियात का प्रबंधन भारत में सरकारी स्वामित्व वाली संस्था [नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड \(NCEL\)](#) द्वारा किया जा रहा है।
 - संयुक्त अरब अमीरात में इन शपिमेंट को प्राप्त करने वाले **आयातक नज्जी व्यापारी** और **सुपरमार्केट शिखलाएँ** हैं, न कि खाद्य सुरक्षा पर केंद्रित सरकारी एजेंसियाँ।
 - व्यापार मानदंडों का उल्लंघन:** **व्यापार मानदंडों** के अनुसार, स्थानीय प्याज़ आपूर्तिकर्ता अत्यधिक कम संभव मूल्य के लिये बोली लगाते हैं, जबकि खरीदारों का चयन उच्चतम मूल्य के आधार पर किया जाता है।
 - हालाँकि नरियातकों का तर्क है कि UAE के मामले में इस प्रथा का **पालन नहीं** किया जा रहा है।
 - प्याज़ उगाने वाले किसानों द्वारा उठाई गई चर्चाएँ:**
 - MSP का अभाव:** प्याज़ उगाने वाले किसानों को [सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य \(MSP\)](#) आधारित खरीद से कोई लाभ नहीं मिलता है और वे पूरी तरह से बाज़ार पर निर्भर होते हैं।
 - मूल्य असमानता:** किसानों को उनके उगाए गए प्याज़ के लिये अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में बेची जाने वाली कीमतों की तुलना में **बहुत कम कीमत** दी जाती है, जिससे किसानों को **काफी नुकसान** होता है।
 - मार्च और अप्रैल, 2023 में **बेमौसम भारी वर्षा** ने कटे हुए प्याज़ को नुकसान पहुँचाया, जिससे वे भंडारण के लिये कम उपयुक्त हो

- गए, जिससे किसानों को प्याज़ की संकटपूर्ण बिक्री करनी पड़ी तथा प्याज़ की गुणवत्ता में तेज़ी से गिरावट आई।
- **नरियात प्रतिबंध:** उत्पादन में कमी के कारण सरकार द्वारा प्याज़ के नरियात पर बार-बार प्रतिबंध लगाने से बाज़ार बाधित हो सकता है और किसानों की आय प्रभावित हो सकती है।
 - अधिकांश रबी प्याज़ उगाने वाले किसान नमी और अंकुरण को रोकने के लिये फसल की कटाई के बाद उसका भंडारण करते हैं, और उन्हें अगली खरीफ फसल से पहले सितंबर से अक्टूबर तक धीरे-धीरे बेचते हैं।
 - ऑफ-सीज़न में अधिक प्रাপ्तियों उन्हें पहले की कम कीमत वाली बिक्री से हुए नुकसान की भरपाई करने में सहायता करती हैं। लेकिन नरियात प्रतिबंध जैसे कदमों से उन्हें उचित लाभ कमाने की उम्मीद धूमिल हो गई है।
 - इसके अलावा, चावल, गेहूँ या प्याज़ जैसे मुख्य खाद्य पदार्थों पर नरियात प्रतिबंध एक भरोसेमंद वैश्विक खाद्य स्रोत के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचा सकता है, जिससे इसकी बहाली चुनौतीपूर्ण हो जाएगी।

भारत में प्याज़ उगाने वाले किसानों की समस्याओं के समाधान के लिये क्या कदम आवश्यक हैं?

- **उचित मूल्य तंत्र:** एक नष्टिपक्ष और पारदर्शी मूल्य निर्धारण तंत्र लागू करना, जो सुनिश्चित करता है कि किसानों को उनके प्याज़ के लिये उचित मूल्य मिले।
- **नरियात नीति की समीक्षा:** भारत के लिये टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौते के अनुरूप नरियात नीतियों की समीक्षा एवं संशोधन करने का समय आ गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसानों पर नकारात्मक प्रभाव न डालें तथा नष्टिपक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा दें।
- **बाज़ार सुधार:** बचौलियों पर निर्भरता कम करने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिये कृषि विपणन प्रणाली में सुधार लाना।
- **नरियात मूल्य निगरानी:** यह सुनिश्चित करने के लिये नरियात कीमतों की बारीकी से निगरानी करना कि वैश्विक बाज़ार की कीमतों के अनुरूप हैं और घरेलू किसानों को हानि नहीं पहुँचाती हैं।
- **सौर ऊर्जा से संचालित निरिजलीकरण इकाइयाँ:** गाँव के स्तर पर मोबाइल, सौर ऊर्जा से संचालित निरिजलीकरण इकाइयाँ लगाने से किसानों को अधिशेष के दौरान अतिरिक्त प्याज़ को निरिजलित करने में सक्षम बनाया जा सकता है।
 - यह प्याज़ की शेल्फ लाइफ को बढ़ाता है, उपज को खराब होने को कम करता है, और सरलता से नरियात योग्य उत्पाद बनाता है।

कृषि उत्पादों के आयात तथा नरियात से संबंधित अंतरराष्ट्रीय संधियाँ/नीतियाँ क्या हैं?

- **कृषि पर WTO समझौता:** उरुग्वे दौर की वार्ता के परिणामस्वरूप हुए इस समझौते का उद्देश्य इस क्षेत्र में व्यापार में सुधार करने के साथ-साथ नीतियों को अधिक बाज़ार-उन्मुख बनाना है।
 - इसमें सब्सिडी, व्यापार बाधाओं को कम करने एवं व्यापार को अधिक पूर्वानुमानित तथा पारदर्शी बनाने की प्रतिबद्धताएँ शामिल हैं,
 - भारत कृषि पर विश्व व्यापार संगठन समझौते (AoA) का एक पक्षकार है।
- **सवचछता एवं पादप सवचछता उपायों के अनुप्रयोग पर समझौता:** ये मानव, पशु, अथवा पौधों के जीवन या स्वास्थ्य को कीटों और बीमारियों, भोजन पेय पदार्थ, या चारा सामग्री में योजकों, संदूषकों, वषिकृत पदार्थों अथवा रोगजनित जीवों से उत्पन्न होने वाले जोखिमों से बचाने के उपाय हैं।
 - भारत इसका एक पक्षकार है।
- **अंतरराष्ट्रीय पादप संरक्षण सम्मेलन (IPPC):** यह संधि विश्व के पादप संसाधनों को कीटों के प्रसार और संपर्क से बचाती है, साथ ही सुरक्षित व्यापार को भी बढ़ावा देती है।
 - भारत अंतरराष्ट्रीय पादप संरक्षण कन्वेंशन का एक पक्षकार है।

प्याज़ के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य क्या हैं?

- **परिचय:** प्याज़ एक जड़ी-बूटी है जो लिली परिवार से संबंधित है। यह एक महत्त्वपूर्ण बागवानी वस्तु है जो विश्व में उनके पाक प्रयोजनों एवं औषधीय मूल्यों के लिये उगाई जाती है।
- **प्रमुख उत्पादक:** भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा प्याज़ उत्पादक है।
 - महाराष्ट्र, कर्नाटक, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु प्रमुख प्याज़ उत्पादक राज्य हैं।
 - वर्ष 2021-22 (तीसरा अग्रिम अनुमान) में प्याज़ उत्पादन में महाराष्ट्र 42.53% की हस्तिसेदारी के साथ पहले स्थान पर है, उसके बाद 15.16% की हस्तिसेदारी के साथ मध्य प्रदेश है।
- **नरियात गंतव्य:** भारतीय प्याज़ के प्रमुख नरियात स्थलों में बांग्लादेश, मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका तथा नेपाल शामिल हैं।

दृष्टि मुख्य परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न. हाल ही में कुछ कृषि उत्पादों पर नरियात प्रतिबंध पर विचार करते हुए भारत की कृषि नरियात नीति का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रलम्बिसः

प्रश्न. राष्ट्रिय खाद्य सुरक्षा अधनियम, 2013 के अधीन बनाए गए उपबंधों के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजएः

1. केवल वे ही परिवार सहायता प्रापत खाद्यान्न लेने की पात्रता रखते हैं जो "गरीबी रेखा से नीचे" (बी.पी.एल) श्रेणी में आते हैं ।
2. परिवार में 18 वर्ष या उससे अधिक उमर की सबसे अधिक उमर वाली महिला ही राशन कार्ड नरिगत कयि जाने के प्रयोजन से परिवार का मुखयिा होगी ।
3. गर्भवती महिलाएँ एवं दुग्ध पलाने वाली माताएँ गर्भावस्था के दौरान और उसके छः महीने बाद तक प्रतदिनि 1600 कैलोरी वाला राशन घर ले जाने की हकदार हैं ।

उपर्युत कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 3
- (d) केवल 3

??????:

प्रश्न. अब तक भी भूख और गरीबी भारत में सुशासन के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतयिँ हैं । मूल्यांकन कीजयि कइनि भारी समस्याओं से नपिटने में क्रमकि सरकारों ने कसि सीमा तक प्रगतिकी है । सुधार के लयि उपाय सुझाइए । (2017)

प्रश्न. खाद्यान्न वतारण प्रणाली को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लयि सरकार द्वारा कौन से सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं? (2019)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/onion-export-ban-associated-challenges>

